Literacy for a Billion

Movie: Ziddi
Year: 1964

Song: Raat Ka Samaa
Lyricist: Hasrat jaipuri

आया ना कोई
ऐसे यहाँ छम से न होगा
जो काम किया हमने
वो रुस्तम से न होगा

रात का समाँ
झूमे चंद्रमा
तन मोरा नाचे रे
जैसे बिजुरिया
रात का समाँ

रात का समाँ
झूमे चंद्रमा
तन मोरा नाचे रे
जैसे बिजुरिया
रात का समाँ

देखो देखो देखो
हूँ नदी प्यार की
सुनो सुनो सुनो
बाँधे मैं ना बँधी

मैं अलबेली
मान लो बड़ी ज़िद्दी
मैं अलबेली
मान लो बड़ी ज़िद्दी
माने मुझको जहाँ

रात का समाँ

झूमे चंद्रमा
तन मोरा नाचे रे
जैसे बिजुरिया
रात का समाँ

नाचूँ नाचूँ नाचूँ
मोरनी बाग़ की
डोलूँ डोलूँ डोलूँ
हिरनिया मद भरी

घुँघर बाजे
छमाछम घुँघर बाजे
घुँघर बाजे
छमाछम घुँघर बाजे
आरजू है जवाँ

रात का समाँ
झूमे चंद्रमा
तन मोरा नाचे रे
जैसे बिजुरिया
रात का समाँ

धीरे धीरे धीरे
जीत मेरी हुई
हौले हौले हौले
हार तेरी हुई

तेरी तरह
जा रे जा

बहुत देखे
तेरी तरह
जा रे जा
बहुत देखे
मुझसा कोई कहाँ

रात का समाँ
झूमे चंद्रमा
तन मोरा नाचे रे
जैसे बिजुरिया

रात का समाँ
झूमे चंद्रमा
तन मोरा नाचे रे
जैसे बिजुरिया
रात का समाँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.